वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 188 गुरुवार 3 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

निगम कमिश्नर का निरीक्षण

रामनिवास बाग व एमडी रोड पर मिली गंदगी, CSI निलंबित, SI को चार्जशीट

जयपुर. कासं

ग्रेटर निगम कमिश्नर बुधवार सुबह सफाई के औचक निरीक्षण पर निकले। उन्हें रास्ते में जगह-जगह गंदगी के ढेर मिले। इससे खफा कमिश्नर महेंद्र सोनी ने चार अधिकारियों पर कार्रवाई कर डाली। सोनी ने क्षेत्र के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक पवन कुमार को मौके पर ही निलंबित कर दिया है और वार्ड 148 के स्वास्थ्य निरीक्षक मुकेश को चार्जशीट थमाई गई, जबकि मालवीय नगर जोन उपायुक्त मुकेश कुमार मूंड और एक अन्य मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक भागचंद को कारण बताओ नोटिस दिया है।

जेडीए अफसरों को भी किया पाबंद

औचक निरीक्षण के दौरान जेडीए के क्षेत्राधिकार में आने वाले रामनिवास गार्डन एवं नेहरू बाल उद्यान में गंदगी व कचरा पाए जाने पर जेडीए अधिकारियों को मौके पर बुलाकर नियमित साफ-सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए और पाबंद भी किया। स्वास्थ्य निरीक्षक को निर्देश दिए गए कि वे ओपन डिपो की जगह कचरा पात्र रखे और उन्हें नियमित रूप से रूट चार्ट बनाकर खाली करवाए।

कई जगह खुले में नजर आया कचरा

कमिश्नर सोनी सुबह मालवीय नगर जोन के रामनिवास गार्डन, म्यूजियम रोड, एमडी रोड के आसपास के शांति पथ, तुलसी सर्किल, शिवाजी मार्ग, गांधी नगर एवं नेहरू बाल उद्यान के अंदर एवं बाहरी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान जहां सफाई व्यवस्था सही नहीं मिली। वहां कमिश्नर ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश देकर गंदगी के ढेर हटवाए। सोनी ने गांधी नगर के विभिन्न क्षेत्रों की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया एवं जहां गंदगी एवं खुले में कचरा नजर आया वहीं खड़े रहकर सफाई करवाई।

7 से 19 नवंबर तक 18 ट्रेने रहेगी रद्द

विशाखापट्टनम, कोलकाता, पुरी, दुर्ग, भागलपुर जाने वाली ट्रेने नहीं चलेगी

जयपुर. कासं

राजस्थान के अलग-अलग शहरों से विशाखापट्टनम, कोलकाता, पुरी, दुर्ग, भागलपुर जाने वाले रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। 7 से 19 नवंबर के लिए इन शहरों के लिए चलने वाली ट्रेनों को रेलवे ने रद्द कर दिया है। 18 ऐसी ट्रेने हैं जिनका संचालन रद्द किया गया है। मध्य प्रदेश के जबलपुर डिविजन में ट्रेक बदलने के कारण इन ट्रेनों को रद्द किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे से जारी रिपोर्ट के मुताबिक 6 ऐसी ट्रेने हैं जो दो दिन, जबकि 12 ऐसी ट्रेने हैं जो एक-एक दिन रद्द रहेगी। इसके अलावा दो ट्रेने ऐसी है, जिनका रूट बदलकर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि MP में मालाखेड़ी-गुना खंड के बीच मालाखेड़ी-महादेवखेड़ी ट्रेक जो सिंगल लेन है उसे डबल लेन किया जा रहा है। इस कारण 13 दिन का ब्लॉकेज लिया गया है।

150 से 1500 रुपए ज्यादा आएगा बिजली बिल

नवंबर-दिसंबर में पैसा वसूलेंगी बिजली कंपनियां; दो महीने के बिल के बराबर भरनी होगी सिक्योरिटी

जयपुर. कासं

राजस्थान में नवंबर और दिसंबर महीने में 1 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के बिजली के बिल बढ़कर आ सकते हैं। बिजली कंपनियां यूजर से तीन महीने का 21 पैसे प्रति यूनिट सरचार्ज वसूलने जा रही हैं। साथ ही दो महीने के बिजली बिल के बराबर एडवांस में सिक्योरिटी राशि की वसूली भी बिजली कंपनियां शुरू कर रही हैं। इसके लिए बिजली डिस्कॉम्स ने चीफ इंजीनियर और सुप्रिंटेंडेंट इंजीनियर से लेकर AEN लेवल तक टारगेट पूरे करने के निर्देश दे दिए हैं, हालांकि टारगेट कितना है, यह सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। तीनों बिजली कंपनियों जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (JVVNL), अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (AVVNL), जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (JDVVNL) ये चार्ज वसूलेंगी। राजस्थान डिस्कॉम ने 27 अक्टूबर को फ्यूल सरचार्ज लगाने की घोषणा की थी। साल 2021-22 के थर्ड क्वार्टर (अक्टूबर-नवंबर-दिसंबर 2021) के लिए उपभोक्ताओं पर 21 पैसे प्रति यूनिट की रेट से बिजली बिलों में राशि वसूल की जाएगी। इससे पहले साल 2021-22 के दूसरे क्वार्टर (जुलाई-अगस्त-सितंबर) में 24 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज वसूली बिजली उपभोक्ताओं से हुई। पहले क्वार्टर (अप्रैल-मई-जून) में 33 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज के बिलों में वसूले गए। बिजली बिल पर पड़ने वाले असर को इस उदाहरण से समझिए। महीने में 350 यूनिट बिजली यूज होने पर उपभोक्ता को करीब 73 रुपए का फ्यूल सरचार्ज उपभोक्ता को देना होगा। इस तरह तीन महीने (अक्टूबर-नवंबर-दिसंबर 2021 के बिल पर) का कुल सरचार्ज 221 रुपए चुकाना होगा। बिजली कंपनियां ये सरचार्ज दो महीने (नवंबर और दिसंबर में) उपभोक्ताओं से बिजली बिलों में जोड़कर वसूलेगी। ज्यादा बिजली खपत होने पर उसी रेश्यो में यह अमाउंट बढ़ता जाएगा। अनुमान के मुताबिक तीनों डिस्कॉम्स 375 करोड़ रुपए उपभोक्ताओं से वसूलेंगे। सामान्य तौर पर 150 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक का भार बिजली कंजंप्शन के हिसाब से उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इसके अलावा अडानी पावर कंपनी को महंगे कोयले की कीमत चुकाने के लिए 7 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से एडिशनल फ्यूल सरचार्ज भी लगा हुआ है। जो अगले 5 साल तक वसूला जाएगा।

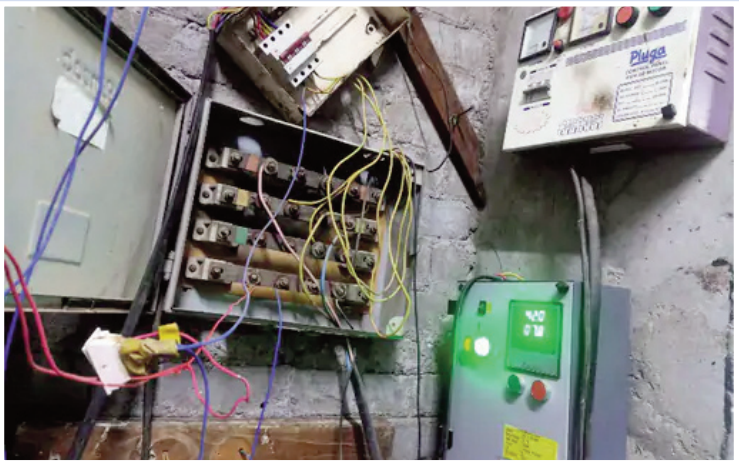

भव्य विमान महोत्सव में थिरके भक्त, उतारी भव्य आरती

विश्व शांति महायज्ञ का हुआ समापन

संबरी की तरह निस्वार्थ भक्ति करना सीखें-आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

भगवान की भक्ति से बड़े बड़े काम भी आसानी से हो जातें हैं भक्ति में वह शक्ति है जो किसी भी कार्य को सफल बना सकते हैं। भक्ति संबरी की तरह करना चाहिए। संबरी की भक्ति निस्वार्थ थी इस कारण श्री रामचन्द्र जी अपने विकल्पों को भूलकर माता संबरी के हाथ दिये जा रहें वेरो को ऐसे खा रहे थे जैसे शटरस भोजन का आनंद ले रहे हो। उक्त आश्य के उद्गार विमान महोत्सव को संबोधित करते हुए आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी ने व्यक्त किए।

रजत विमान में निकलें भगवान जिनेन्द्र देव

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

की परम शिष्या आर्यिका श्री सोम्यमति माताजी ससंघ के सान्निध्य में आज जिला मुख्यालय से तीस किलोमीटर दूर पिपरई आर्यिका संघ के सान्निध्य में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य विमान यात्रा निकाली गई। यह सोभा यात्रा मन्दिर जी से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गो से होते हुए गोयल जी के बाड़े पर पहुंच कर धर्म सभा में बदल गई। जहां भगवान की फूलमाल ज्ञान माल के साथ ही चारित्र माल का आयोजन किया गया। इस भव्य विमान यात्रा में आगे आगे वैन्ड वाजे उनके पीछे पाठशाला के वच्चो के बाद वहनों का दल डांडिया नृत्य करते हुए चल रहा था। उनके बाद युवाओं का दल जय जय करते हुए भगवान जिनेन्द्र देव के विमान जी के आगे आर्यिकारत्न के साथ चल रहा था। धर्म सभा स्थल पर समारोह को संबोधित करते हुए माताजी ने कहा कि धर्म के काम में सभी का उत्साह सराहनीय है। मनुष्य के लिए चार पुरुषार्थ बताये धर्म अर्थ काम और मोक्ष हम अपने जीवन को इस तरह व्यवस्थित करें कि सभी पुरूषार्थों को समान रूप से करते हुए अपने मनुष्य जीवन को सफल बनाएं।

सवा लाख मंत्रों की महायज्ञ में दी आहुतियां

इसके पहले आज श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में सवा लाख मंत्रों की आहुतियां प्रतिष्ठा चार्य संजीव भइया के मंत्रोच्चार के साथ समर्पित की गई इस दौरान विधान पुण्यर्जक नरेंद्र कुमार, धनकुमार शनीचरा, अनिल कुमार मिठया, राहुल जैन, प्रदीप जैन रानी, विकास कुमार,संजीव जैन सहित अन्य लोग ने श्री फल भेंट किए।

कवि सम्मेलन में करेंगे काव्य पाठ

समाज के अध्यक्ष अनिल मिठया, मंत्री राहुल जैन ने बताया कि श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर आज रात्रि में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन किया जा रहा है जिसके सूत्रधार सौरव सुमन मेरठ व सौरव भयंकर चन्देरी होगे के साथ ही गौरव चौहान इटावा मोनिका देहलवी दिल्ली दीपक पारीख भीलवाड़ा विनोद पाल मुम्बई अपना काव्य पाठ करेंगे।

दादीजी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दादी परिवार महिला मण्डल अजमेर द्वारा परम पूजनीय अग्रकुल शिरोमणि श्रीश्री 1008 श्री झुझुंनू वाली दादीजी की असीम अनुकम्पा से कार्तिक शुक्लपक्ष आंवला नवमी के अवसर पर दादीजी का जन्मोत्सव बुधवार, दिनांक 2 नवम्बर को दोपहर 2.00 बजे वर्षा फतेहपुरिया के संयोजन में निकुंज, रेम्बल रोड, अजमेर पर आयोजित किया गया। दादी भक्त लेखा गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में मंगलपाठ गायिका राजकुमारी शर्मा एवं दीपक द्वारा भव्य मंगलपाठ किया गया। मंगलपाठ के दौरान दादीजी के सुन्दर भजनों की प्रस्तुति दी गई जिसमें सभी महिलाओं ने नृत्य कर कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। उत्सव में सभी महिलायें चूंदडी की साड़ी पहनकर सम्मिलित हुई। उत्सव का समापन अन्नकूट प्रसादी के साथ किया गया।

पारीक विकास ट्रस्ट और विप्र फाउंडेशन द्वारा गौसेवकों का सम्मान

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। सुरत विप्र फाउंडेशन ओर पारीक विकास ट्रस्ट द्वारा गाय माता में फेंली महामारी लंपी की राम बाण होमयोपेथिक दवा ओर मलहम का लगातार पैकिंग चालू है ।अभी तक लगभग 15 लाख डोज दवा ओर सुरत सेवा सिमिति के सहयोग से 1 हजार किलो मलहम का वितरण हो चुका है । देश के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग पांच सौ गौ सेवक वितरण व्यवस्था में लगे हुए है। पारीक विकास ट्रस्ट के संस्थापक ओर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय कमेंटी के सदस्य (मूर्ति निर्माण) ओर गुजरात प्रदेश के चिकित्सा प्रभारी राम अवतार पारीक ओर शंकर स्वामी ने राजस्थान प्रवास के दोरान जयपुर ग्रामीण में वितरण व्यवस्था सम्भालने वाले गौसेवक राहुल शर्मा,विष्णु स्वामी,आयुष जैन, गोविंद बाज्या,सिनोदिया सरपंच गिरधारी कुलहरी, काना बल्ड़वाल का साफा ओर दुप्टा पहनाकर स्वागत किया।विचारविमर्श के दोरान सिनोदिया पंचायत में गौशाला की कमी की बात रखी गयी जिसको सरपंच गिरधारी कुलहरी द्वारा जल्द ही सभी ग्रामीणों की मदद से गौशाला बनाने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया।

आठ दिवसीय मंगलकारी कल्पद्रुम विधान का आयोजन

जिंदगी तब तक व्यर्थ है,जब तक ना मिले, जिनवर का द्वारः आचार्य श्री सुनील सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर में चारों तरफ हरीतिमा और उस हरीतिमा के बीच भट्टारकजी की नसिया में विराजे भगवान ऋषभदेव और यहीं आचार्य गुरुवर श्री सुनील सागर महा मुनिराज की अपने संघ सहित चातुर्मास में समवशरण सिंहासन पर विराजमान होकर श्रावकों को उपदेश देकर बहुत ही उज्जवल साधना कर रहे हैं है। कल्पद्रुम विधानमंडल के आयोजन के तहत कुबेर इन्द्र राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद, एवं ओमप्रकाश काला विद्याधर नगर वालों ने भगवान श्री जी को पंडाल में विराजमान किया ।भगवान जिनेंद्र का जलाभिषेक एवं पंचामृत अभिषेक हुआ । उपस्थित सभी महानुभावों ने पूजा कर अर्घ्य अर्पण किया।पश्चात आचार्य श्री शशांक सागर गुरुदेव के श्री मुख से शान्ति मंत्रों का उच्चारण हुआ, सभी जीवो के लिए शान्ति हेतु मंगल कामना की गई। सन्मति सुनील सभागार मे प्रतिष्ठा चार्य प. सनत कुमार जी ने मन्त्रोच्चारों के साथ कल्पद्रुम विधान का विधिवत शुभारंभ किया ।आचार्य भगवंत को अर्घ्य अर्पण करते हुए कुबेर इन्द्र राजीव जैन गाजियाबाद वालों ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्जवलन कर धर्म सभा का शुभारंभ किया। उक्त जानकारी देते हुए चातुर्मास व्यवस्था समिति के प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलाचरण सीमा गाजियाबाद ने किया व मंच संचालन इंदिरा बड़जात्या ने किया चातुर्मास व्यवस्था

समिति के महामन्त्री ओमप्रकाश काला ने बताया पूज्य आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में, आठ दिवसीय विधान का द्वितीय दिवस पर आचार्य भगवन्त के श्री मुख से पूजा उच्चरित हुई चातुर्मास व्यवस्था समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा व राजेश गंगवाल ने बताया आचार्य भगवंत के चरण पखारे सिंघवी सुरेश जैन बांसवाड़ा परिवार ने। पूज्य आचार्य भगवंत को जिनवाणी शास्त्र भेंट किया गया।

गुरुवर आचार्य श्री उपदिष्ट हुये

चांद पर पंहुचो चाहे तारों पर पहुंचो, जिंदगी तब तक व्यर्थ है जब तक ना मिले, जिनवर का द्वार। चक्रवर्ती ने प्रश्न किया निदत्त निकाचित बन्ध का निवारण कैसे होता है। इसका उपाय बताने की कृपा करें। आचार्य उपदिष्ट हुयेः धवला पुस्तक छह में आचार्य श्री जनसेन स्वामी कहते हैं जिनेंद्र भगवान के दर्शन करने से निदत्ति निका चित बन्ध का निवारण भी हो जाता है। नियमित आहार देने वालों के जीवन में भी एक दिन ऐसा आएगा जब वे भी मुनि दीक्षा लेकर भव्य आत्मा बन जाएंगे। हमारे पास वह आवाज है जिसमें जिनवाणी का बोध हो सकता है तत्व का बोध हो सकता है। कुछ लोगों को दिगंबर मुद्रा बहुत चुभती है उनसे पूछा जाए आपने वस्त्र कब से पहने हैं यहां बैठे सब लोग धन्य हैं जिन्हें जिन मुद्रा के वितरागिता के दर्शन हो रहे हैं। जिन दर्शन से पुण्य बढता है। जब भी जिनालय के समीप से गुजरे तो दर्शन अवश्य करो। अगर जिनालय बंद भी हो तो भी बाहर से ही दरवाजे पर ढोक दे दो। जिसमें गुण होते हैं वही पूजा जाता है। इतना बड़ा कल्पद्रुम विधान हो रहा है असाता कर्म के उदय से बहुत से लोग नहीं आ सके ,पर कुछ अन्य लोग भी हैं जो डटे रहते हैं उनका असाता कर्म भी शांत हो जाता है। पूजा विधान आदि में कभी विघ्न नहीं डालना चाहिए। अगर विघ्न डाला अनुमोदना नहीं की तो निदत निकाचित कर्म का बन्ध होगा। अब तक की विधानमंडल की पूजा में 7 पूजाएं हो चुकी हैं, प्रातः 6.30 पर भगवान के जलाभिषेक होंगे उसके पश्चात पंचामृत अभिषेक फिर आचार्य भगवंत के श्री मुख से शांति धारा उच्चारित होगी कल विधानमंडल पर 3 पूजाएं होंगी।

सवाई माधोपुर में जैन बैंकर्स फोरम का गठन

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य ज्ञानसागर जी महामुनिराज के सानिध्य में शुरू किया गया अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम का चमत्कार जी के मंदिर में आयोजित मीटिंग में सवाई माधोपुर शाखा का विधिवत रूप से गठन किया गया। यह देश की 32वीं यूनिट है। फोरम का उद्देश्य समाज की बैंकिंग संबंधी समस्याओं के समाधान एवं सामाजिक एवं धार्मिक क्रियाओं में सक्रिय सहभागिता निभाना है। आज हुई सभा में अध्यक्ष पद पर मोहनलाल कासलीवाल, कार्याध्यक्ष महावीर बज, उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन, मंत्री पी सी जैन, कोषाध्यक्ष आर पी जैन का सर्वसम्मत्ति से मनोनयन जैन बैंकर्स फोरम जयपुर के अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा की उपस्थिति में किया गया। सभा में अशोक कुमार जैन, चंदन जैन भी उपस्थित थे ।

वेद ज्ञान

लगन से जीवन बदल जाता है

इंग्लैंड के महान चिंतक जेम्स मूर ने इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली महिला तैराक के लिए बस इतना ही कहा था कि यह उनकी लगन का प्रतिफल है, अन्यथा संकल्प लेने वालों की कमी नहीं है। छोटा सा शब्द है लगन, पर जिसमें लग जाए, उसका जीवन बदल जाए। इतनी शक्ति है इसमें कि बड़े से बड़ा काम पूर्ण होने में कोई संदेह नहीं और छोटे से छोटा काम भी अपूर्ण रह जाए अगर लगन की अगन नहीं चढ़े। विद्यार्थियों को पढ़ाई की लगन लग जाए तो कभी असफलता उनकी राह में नहीं आएगी। संत पुरुषों में सच्चाई की खोज की लगन रहती है तो वैज्ञानिकों में नई-नई खोजों को पूरा करने का जुझारूपन। ईश्वर से लगन लगाने वाले लोग इतने रम जाते हैं कि कभी वे बहुत भावुक होकर रोने लगते हैं तो कभी नृत्य करने लगते हैं। मीरा को भगवान कृष्ण की भक्ति की जब लगन लग गई तो वह दीवानी बन गई। यह लगन की चरम पराकाष्ठा होती है, जिसके बाद शून्य का वृत आ जाता है। अपने परिप्रेक्ष्य में यह आत्मशक्ति और संकल्पशक्ति से जुड़ा हुआ है। इसलिए पहले छोटे और आसान संकल्पों को पूरा करने का जहमत उठाएं, उसके बाद बड़े अभियान की ओर। लक्ष्य प्राप्ति के बाद खुद की शक्ति का भी मूल्यांकन करें और खुद को शाबाशी दें। होना तो यह चाहिए कि संपूर्ण परिवार का इसमें सहयोग हो जिससे कि राह और आसान हो जाए। सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना बुनने वाले तत्वों में आत्मशक्ति का बहुत प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह आत्म शांति से जुड़ा होता है। कामनाओं की मृगतृष्णा में दौड़ता-हांफता मनुष्य एक उम्र के बाद जान जाता है कि उसकी शक्ति और हुनर किस क्षेत्र में सिद्ध हो सकती है। उस ओर ही लगन लगानी चाहिए। लगन को शौक से अलग परिभाषित किया गया है। शौक कई हो सकते हैं, पर लगन से हर शौक पूरा हो जाए, यह जरूरी नहीं। देश और समाज को क्षति पहुंचाने वाले शौक के लिए लगन लगाना देशद्रोह का सूचक है। ऐसे शौक वर्जित होते हैं। इन्हें कोई कितना भी लगन से पूरा कर ले, वह प्रशंसा का पात्र नहीं हो सकता। अच्छे लक्ष्यों और उद्देश्यों के कारण जो शौक पाले जाते हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय होते हैं। सकारात्मक और रचनात्मक शौक को पूरा करने के लिए जिस लगन की जरूरत होती है, उसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होनी चाहिए।

संपादकीय

साइबर तंत्र का बढ़ता जाल

तकनीक ने लोगों की जिंदगी को जितना आसान और सुविधाजनक बनाया है, उसी अनुपात में जोखिम भी पैदा किए हैं। आज हालत यह हो चुकी है कि एक ओर व्यक्ति, उसकी निजी जानकारियां और सार्वजनिक गतिविधियां साइबर तंत्र के तहत ब्योरों और आंकड़ों में दर्ज होने लगी है, तो दूसरी ओर इन आंकड़ों तक कुछ अवांछित समूहों या लोगों की पहुंच हो जाती है और वे उसका इस्तेमाल आपराधिक तौर पर भी अपने मुनाफे के लिए करने लगते हैं। तकनीक पर निर्भरता के समांतर इसके बेजा इस्तेमाल के मामले भी तेजी से बढ़ने लगे हैं। भारत में अभी आंकड़ों की सुरक्षा की दीवार बहुत मजबूत नहीं है, इसलिए यहां साइबर खतरे का दायरा बड़ा होता जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है कि दूसरे विकसित देश ऐसे जोखिम से पूरी तरह सुरक्षित हैं। बीते हफ्ते शुक्रवार को इनर्जी

आस्ट्रेलिया में हुई आंकड़ों की चोरी उन घटनाओं की महज एक कड़ी है, जिनमें सिर्फ बीते एक महीने के दौरान आस्ट्रेलिया के सात प्रमुख व्यवसाय आंकड़ों की सेंधमारी से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या ने दुनिया भर में यह चिंता पैदा की है कि आधुनिक होती तकनीकी की दुनिया में डेटा की चोरी क्या एक बड़ी चुनौती बनने जा रही है! दरअसल, आंकड़ों में सेंधमारी की लगातार बढ़ती घटनाएं दुनिया भर में गैरकानूनी तौर पर चल रहे समूहों या कंपनियों के जरिए अंजाम दी जा रही हैं जो लोगों का डेटा हासिल करके उनका सौदा करती हैं। पहले वे अपनी जरूरत के लक्षित तबकों के आंकड़ों में सेंध लगाती हैं, फिर उन्हें अन्य साइबर अपराधियों को बेच देती हैं। हालांकि इस तरह आंकड़ों में सेंधमारी करने वाले लोग आज विस्तृत साइबर अपराध के बड़े संजाल का एक छोटा-सा हिस्सा भर हैं। मुश्किल यह है कि अगर दुनिया भर में इस अपराध से निपटने के लिए कोई ज्यादा सक्षम और उपयोगी तरीका और तंत्र विकसित नहीं किया जाता है तो यह चुनौती किसी एक देश या वहां के नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि दुनिया के एक बड़े हिस्से के लिए एक बड़ा खतरा बन जाएगी। यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ समय से आनलाइन अपराध खासतौर पर आंकड़ों की चोरी के मामले में तेजी से अपने पांव फैलाता जा रहा है और इसके सहारे बड़े साइबर हमलों को अंजाम देने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि साइबर अपराधों की दुनिया में आंकड़ों की चोरी के जरिए मुख्य रूप से बड़ी फिरौती हासिल करने की कोशिश की जाती है। तकनीकी दक्षता के साथ किसी व्यक्ति या फिर कंपनी के उपकरण या उसकी कंप्यूटर और इंटरनेट व्यवस्था को पूरी तरह ठप कर दिया जाता है और इसके बदले फिरौती वसूली जाती है। यह साइबर अपराधों की दुनिया में ज्यादा परिष्कृत तरीके के फैलता जाल है। ज्यादातर आम लोग तकनीक का इस्तेमाल तो करते हैं, मगर आमतौर पर उनके पास इसके सुरक्षित उपयोग का प्रशिक्षण नहीं होता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

टूटते पुल

गुजरात के मोरबी में झूलता पुल टूट जाने से करीब डेढ़ सौ लोगों की मौत से स्वाभाविक ही व्यवस्था पर अंगुलियां उठनी शुरू हो गई हैं। करीब एक सौ चालीस साल पहले बना यह पुल मरम्मत के बाद चार दिन पहले ही खोला गया था। बताते हैं कि दिवाली के बाद की छुट्टियां और रविवार का दिन होने की वजह से उस पुल पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई और वजन सहन न कर पाने से पुल की रस्सियां टूट गईं। इस पुल पर लोग सैर-सपाटे के लिए ही जाते हैं। इसके लिए टिकट भी लगता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पुल की क्षमता करीब डेढ़ सौ लोगों का भार सहन करने की है, जबकि उस पर पांच सौ से अधिक लोग पहुंच गए, जिसकी वजह से पुल टूटा। पुल पुराना पड़ गया था, इसलिए इसे छह-सात महीने बंद रखा गया था। एक निजी कंपनी को इसकी मरम्मत और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसलिए संबंधित कंपनी को लेकर सवाल अधिक उठ रहे हैं। सात महीने पहले भी लोग उस पुल पर सैर-सपाटे के लिए जाया करते थे, मगर ऐसा हादसा नहीं हुआ। ऐसा क्या हुआ कि मरम्मत के बाद पुल चरमरा कर टूट गया! सवाल है कि क्या पुल के रखरखाव के लिए तैनात कर्मचारियों को इस बात का अंदाजा नहीं था कि पुल पर एक समय में कितने लोगों को भेजा जाना चाहिए। ऐसा भी नहीं कि एक बार टिकट लेकर लोग जब तक मर्जी पुल पर घूमते-फिरते रहें। उन्हें अधिकतम आधे घंटे का समय दिया जाता है। उसी के अनुसार टिकट जारी किए जाते और लोगों को बारी-बारी से छोड़ा जाता है। अगर पुल पर एक जगह अधिक लोग जमा हो गए या पुल के साथ कुछ छेड़छाड़ करते नजर आए, तो उन्हें रोका और उतारा क्यों नहीं गया? एक बार में इतने लोगों को पुल पर भेजा ही क्यों गया? अभी इन सवालों के जवाब जांच के बाद मिलेंगे, मगर इस हादसे ने एक बार फिर पुल बनाने वाली कंपनियों की निष्ठा और तकनीकी पक्षों की अनदेखी को रेखांकित किया है। फिर सवाल यह भी कि क्या आगे वे इससे कोई सबक ले पाएंगी। ऐसे पुल गुजरात के दूसरे शहरों में भी हैं, जिनका निर्माण सैलानियों को आकर्षित करने के लिए किया गया है, क्या उनके रखरखाव और तकनीकी पक्षों पर नए सिरे से ध्यान दिया जा सकेगा? हर साल बरसात के वक्त देश के विभिन्न शहरों में पुलों के बाढ़ में बह जाने के समाचार आते हैं। इस साल भी कई पुल बाढ़ में बह गए। उनमें से कुछ दो-तीन साल पहले ही बने थे। ऐसी घटनाओं के बाद स्वाभाविक ही लोग पूछते नजर आते हैं कि क्या वजह है कि सौ साल से ऊपर के बने पुल अभी तक बने हुए हैं और नए पुल दो-चार साल में ही जमींदोज हो जाते हैं। जाहिर सी बात है कि पुलों और सड़कों के निर्माण में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिसके चलते उनमें इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जाता और अधिक से अधिक लाभ कमाने के लोभ में उनकी भार क्षमता आदि का सही मूल्यांकन नहीं किया जाता। इससे संबंधित सरकारों के ईमान पर भी अंगुलियां उठती ही हैं। ऐसे पुल बना कर भले सरकारें कुछ देर को अपनी उपलब्धियों में शुमार कर लेती हैं, मगर इनकी कीमत आखिरकार लोगों को अपना धन और जान गंवाकर चुकानी पड़ती है।

मेवाड़ रीजन द्वारा जैन प्रश्नोत्तरी तथा धर्म चर्चा का आयोजन

उदयपुर. कासं

उदयपुर जे एस जी मेवाड़ रीजन द्वारा छह शृंखला जैन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का समापन 30 अक्टूबर,रविवार को हुआ। इस प्रश्नोत्तरी शृंखला में 5 चरण तो ऑनलाइन थे तथा एक चरण लिखित था। मेवाड़ रीजन चेयरमैन मोहन बोहरा ने बताया कि लिखित प्रश्नोत्तरी समापन समारोह धर्मचर्चा के साथ लोकशाह स्थानक,अशोकनगर में सम्पन्न हुआ,जिसके मुख्य अतिथि समाज सेवी कान्ति लाल जैन तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शान्ति लाल चपलोत थे । इस समारोह में जूरी के रूप मे ज्योति बाबु जैन अशोक जैन तथा श्रीमति संगीता पोरवाल थी । जैन प्रश्नोत्तरी लिखित प्रतियोगिता एक साथ एक समय दो बजे से तीन बजे तक उदयपुर,भीलवाड़ा तथा निम्बाहरा में एक साथ संपन्न हुई। मेवाड़ रीजन संयुक्त सचिव महेश पोरवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दोरान शान्ति लाल चपलोत तथा कान्ति लाल जैन ने कहा कि सामाजिक संगठनों द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम धार्मिक तथा सामाजिक चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। कार्यक्रम में मोहन बोहरा ने कहा कि धर्म तथा समाज एक तराजू के दो पलडे है ,जिसमें एक समान वजन होना चाहिये अन्यथा नुकसान हो सकता है। मेवाड़ रीजन अहिंसा कार्ड समिति चेयरमैन लक्ष्मी कोठारी ने कहा कि जैन प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम को पूरा पारदर्शी बनाने का प्रयास किया जिसमें 80 प्रतियोगियों ने भाग लिया जिनको प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। मेवाड़ रीजन चेयरमैन इलेक्ट अनिल नाहर ने कहा कि मेवाड़ रीजन के इस कार्यक्रम को पूरे समाज स्तर पर विस्तारित करने का प्रयास किया जाएगा जिससे अधिकाधिक

लोग लाभान्वित हो सके। कार्यक्रम का शुभारम्भ विजय लक्ष्मी सागर द्वारा मंगलाचरण तथा मधु खमेसरा द्वारा फेडरेशन सूत्र बोल कर किया गया । इस कार्यक्रम में मेवाड़ रीजन संस्थापक चेयरमैन ओम प्रकाश चपलोत, पूर्व चेयरमैन आर सी मेहता,संयुक्त सचिव पारस ढेलावत, पी आर ओ आलोक पगारिया, दलपत सिंह वडिया, पी सी कंठालीया तथा कई पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम संचालन कुसुम मेहता ने किया ।

पैसा पाने वाले नजरे चुरा सकते दुआएं लेने वाले अवश्य काम आएंगे: समकितमुनिजी

जिंदगी में जख्म देने वाला नहीं भरने वाला बनने का लक्ष्य रखें। शांतिभवन में सात दिवसीय प्रवचन माला जुग-जुग जियो का समापन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में असाता वेदनीय कर्म का उदय हमारी सुख शांति छीन लेता है। ऐसे कारण सामने आते रहते है जो हमारे रोने का सबब बन जाते है। हमे जख्म देने वाला नहीं बनकर जख्म भरने वाला बनना है। जख्म देने वाला बनने पर जीवन में कई तरह की विराधनाएं होती है। हमारे कारण किसी को जख्म नहीं होने चाहिए। भाई गाली नहीं देता लेकिन कषाय की अग्नि जलती ऐसे समय में एक भाई घी बन जाए तो जो जला वह ठीक हो जाएगा। हम जख्म भरने वाला बन विराधनाओं से बच सकते है। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में बुधवार को सात दिवसीय प्रवचनमाला जुग-जुग जियो के अंतिम दिन व्यक्त किए। इस प्रवचन माला के माध्यम से बताया गया कि किस तरह आशीर्वाद व दुआएं प्राप्त करके जीवन को सुखी व समृद्ध बनाया जा सकता है। मुनिश्री ने कहा कि दुकान या कार्यालय की समस्या घर लाने पर घर में समस्याएं शुरू हो जाएगी। शांति रखने पर कई परेशानियों से बचा जा सकता है। जिंदगी में कई बार खता किसी ओर की होती है हाथ अपने को जोड़ने पड़ते है। उन्होंने कहा कि जिनको

तुमने पैसा दिया वह नजरे चुरा सकते है लेकिन जिनको दुआएं दी है वह अवश्य जिंदगी में काम आएगी। हर जीव को दुआएं देते हुए आगे बढ़ो। आराधना का जीवन जीने लग जाएंगे अनंत-अनंत जीवों को दुआएं देते जाएंगे। विराधनाओं का जीवन जीने पर बद्दुआ लेते जाएंगे। पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि हमारे भीतर परिवार का माहौल अच्छा व संबंध मजबूत होने पर बाहर के सारे रिश्ते कार्य आएंगे लेकिन परिवार के रिश्ते ही कमजोर है तो बाहर वाले कुछ काम नहीं आने वाले है। ब्याज पर ब्याज भरने वाला कभी तरक्की नहीं कर सकता। ऐसी विराधनाओं से स्वयं को बचाना होगा। उन्होंने कहा कि किसी से भी अपना वैर विरोध है तो अपने तरफ से फ्री हो जाना। सामने वाले को छोड़ देना कि वह क्या कर रहा है। दुश्मन रहेंगे लेकिन अपने दिल में दुश्मनी नहीं रहनी चाहिए। सिर को झुकाने पर ही जीवन में उंचाईयां मिलती है। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी ने प्रेरणादायी गीत की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा में उदयपुर, चित्तौड़गढ़ आदि स्थानों से आए श्रावकगण मौजूद थे। उदयपुर से आए श्रावक संघ के प्रतिनिधियों ने समकितमुनिजी से वर्ष 2023 का होली चातुर्मास उदयपुर हिरणमगरी सेक्टर-4 क्षेत्र में करने का विनती प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

सामूहिक आलोचना पाठ गुरूवार को

पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि मोक्ष प्राप्ति का सपना पूरा करने के लिए विराधना का जीवन छोड़ना होगा। इस विराधना के जीवन से मुक्त होने का नाम ही इच्छाकारणं का पाठ है। जो विराधना अब तक हो चुकी उसकी आलोचना करनी होगी। ऐसा करके हम की गई गलतियों से छूटने का प्रयास कर सकते है। मुनिश्री ने कहा कि गुरूवार को शांतिभवन में सुबह 9 बजे से सामूहिक आलोचना का पाठ होगा। अनादिकाल से लेकर अब तक की गलतियों को वोसरामि करते हुए स्वयं को हल्का कर सकते है। सभी श्रावक-श्राविकाओं को सपरिवार इस सामूहिक आलोचना पाठ में शामिल होने का भाव रखना चाहिए।

उदिता क्रिकेट चैंपियनशिप का शानदार आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3054 द्वारा आयोजित उदिता क्रिकेट चैंपियनशिप 2022 का आयोजन किया गया । जिसमें 12 रोटरी क्लबों की क्रिकेट टीमों ने भाग लिया। आयोजन में खिलाडियों के उत्साहवर्धन के लिए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉक्टर बलवंत सिंह चिराना,डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी नीरज अग्रवाल, जयपुर कोऑर्डिनेटर के एस ढिल्लो, समाजसेवी दीक्षांत हाडा समेत विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे ।डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कमेटी चेयरमैन डॉ राजीव जैन ने बताया कि आयोजन का रोटेरियन के बीच फेलोशिप को बढ़ावा देना है ।डॉ अर्चना शर्मा ,ओलंपियन गोपाल सैनी, डिस्ट्रिक गवर्नर(23-24) निर्मल कुनावत एवं अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया ।

अहिंसा रथ प्रवर्तन कार्यक्रम ओम जैन सर्राफ विशिष्ट भी सम्मिलित हुए

कोटा. शाबाश इंडिया

जैन समाज कोटा के समाज सेवी श्री सकल दिगंबर जैन समाज कोटा के सम्मानित सदस्य, गुरु मां विशुद्ध मति राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष, ज्वेलर्स एसोसिएशन कोटा के महासचिव, श्री अखिल भारतीय अग्रवाल जिला सम्मेलन कोटा के सलाहकार, संरक्षक मंडल के सदस्य एवं श्री अग्रवाल एलिट ग्रुप सोसाइटी कोटा के सदस्य समाजसेवी ओम जैन सर्राफ ने अहिंसा रथ प्रवर्तन यात्रा कार्यक्रम मे बतौर विशिष्ट अतिथि, राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से जयपुर में भट्टारक जी की नसियां नारायण सिंह सर्किल में भेंट की ।धर्म सभा में बहुत सारे अतिथि देश के विभिन्न विभिन्न जगहों से पधारे- जिनमें प्रमुख,भारतीय विदेश नीति परिषद एवं भारतीय भाषा सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ वेद प्रताप जी वेदिक, श्री दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर मनींद्र जैन,एवं अहिंसा रथ यात्रा के मुख्य संयोजक अजीत कासलीवाल,नई दिल्ली से पधारे राष्ट्रीय स्तर के वेदिक तंत्र गुरु आचार्य शैलेश तिवारी, पूज्य आचार्य जैन मुनि लोकेश मुनि जी, नई दिल्ली एवं कानपुर से एक साथ प्रकाशित हो रहे, दैनिक नेशनल एक्सप्रेस राष्ट्रीय स्तर के अखबार के प्रधान संपादक एवं मालिक विपिन गुप्ता, एवं मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद के पूर्व चांसलर एवं कुलाधिपति एवं शिक्षाविद फिरोज बख्त अहमद, भारत के राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी एवं राष्ट्रीय स्तर के समाज सेवी के सरीन,और कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के धर्मगुरु एवं नसियां जी के पांडाल में हजारों धर्म प्रेमी मौजूद थे।

पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन ''भारतेंदु हरिश्चन्द्र राष्ट्र भाषा हिंदी गौरव सम्मान -22'' से सम्मानित किया गया

चितोड. कासं। पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना अभियान चला रही नेशनल यूथ अवार्डी पर्यावरण मित्र दिव्या कुमारी जैन को बृजलोक साहित्य कला संस्कृति अकादमी आगरा (उत्तरप्रदेश) द्वारा ''भारतेन्दु हरिश्चन्द्र राष्ट्रभाषा हिन्दी गौरव सम्मान -22'' से सम्मानित किया गया । दिव्या ने बताया कि अकादमी के अध्यक्ष डॉ मुकेश कुमार ऋषि साहब द्वारा उसकी पर्यावरण मित्र पत्रिका के 13 ही संस्करण की प्रतियां मंगवाकर पुस्तकालय में पाठकों के वाचन हेतु रखवाई गई है ।यह सम्मान मिलने पर दिव्या ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अकादमी व समस्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है ।

क्षेत्रीय राष्ट्रीय सेवा योजना पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय जयपुर, राजस्थान के द्वारा उत्तर क्षेत्रीय राष्ट्रीय सेवा योजना पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर के लिए एस एस जैन सुबोध पी जी महाविद्यालय जयपुर में संभाग स्तरीय चयन शिविर आयोजित किया गया ।प्राचार्य प्रो के बी शर्मा ने बताया कि इस शिविर में जयपुर, दौसा, सीकर, झुंझुनू, अलवर जिलों से विभिन्न विश्वविद्यालयों, एवम महाविद्यालयों के र से यो स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। श्री एस पी भटनागर, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर राजस्थान ने बताया इस चयन शिविर में विभिन्न जिलों से आए हुए स्वयंसेवकों का चयन उनकी परेड, शारीरिक दक्षता, सांस्कृतिक प्रस्तुति और सामान्य ज्ञान के आधार पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित चयन समिति द्वारा किया गया। चयन समिती में श्री श्रवण राम कटारिया, युवा अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर राजस्थान, श्री दिनेश गुप्ता सांख्यिकी अधिकारी शिक्षा ग्रुप, 4 अ, शासन सचिवालय, डॉ हरभजन सिंह, ए एन ओ, सुबोध कॉलेज, डॉ डेजी शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, महारानी कॉलेज, (सांस्कृतिक विशेषज्ञ), डॉ विशाल गौतम, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, सुबोध कॉलेज थे। चयन समिति द्वारा विभिन्न प्रतिभागियों का चयन उनके द्वारा दिए गए प्रदर्शन के आधार पर किया गया। राजस्थान राज्य के कुल 2 लाख बीस हजार रासेयो स्वयम सेवको में से चयनित 30 छात्र एवम 30 छात्राये कुल 60 स्वयम सेवक दो कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा, पंजाब में 26 नवंबर से 5 दिसंबर 2022 तक आयोजित होने वाले उत्तर क्षेत्रीय रा से यो पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे।

गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का पदमपुरा से जयपुर की ओर मंगल विहार आज गुरुवार को

गोनेर के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में चातुर्मास सम्पन्न होने पर गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का गुरुवार, 03 नवम्बर को प्रातः पदमपुरा से गोनेर होते हुए जयपुर की भट्टारक जी की नसियां के लिए मंगल विहार होगा। चातुर्मास कमेटी के मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया ने बताया कि माताजी ससंघ का गुरुवार,3 नवम्बर को पदमपुरा से प्रातः 7.00 बजे गोनेर के लिए मंगल विहार होगा। गोनेर के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः 8.00 बजे भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश होगा। तत्पश्चात मंदिर परिसर में धर्म सभा में माताजी के मंगल आशीर्वचन होंगे। कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ का गोनेर से दोपहर बाद विहार होकर सायंकाल जगतपुरा के डी मार्ट के पास गोविन्दम्रेजीडेंसी में भव्य मंगल प्रवेश होगा। सायंकाल गुरु भक्ति, आरती, आनन्द यात्रा के आयोजन किए जाएंगे। कमेटी के वित्त मंत्री अजय बड़जात्या एवं माणक ठोलिया के मुताबिक शुक्रवार, 04 नवम्बर को प्रातः 7.00 बजे जगतपुरा रेलवे फाटक के पास श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा जहां माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा की जाएगी। तत्पश्चात प्रातः 7.30 बजे भव्य जुलूस के साथ समाजश्रेष्ठी कमल वैद के माडल टाउन की इन्कम टैक्स कालोनी स्थित निवास पर भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां धर्म सभा में माताजी के मंगल प्रवचन होंगे। संयुक्त मंत्री दीपक बिलाला के मुताबिक संघपति कैलाश चन्द माणक रमेश ठोलिया के माडल टाउन कालोनी स्थित निवास पर होते हुए सायंकाल मालवीय नगर के सैक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां गुरु भक्ति, आनन्द यात्रा के बाद रात्रि 7.00बजे से श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में मुख्य संयोजक मनीष चौधरी के निर्देशन में ऋद्धि मंत्रों से युक्त संगीतमय भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रदीप जैन के मुताबिक शनिवार, 5 नवम्बर को प्रातः मालवीय नगर से मंगल विहार होकर टौंक रोड पर रिजर्व बैंक से प्रातः 8.00 बजे विशाल जुलूस के साथ माताजी ससंघ का प्रातः 8.30 बजे भट्टारकजी की नसियां में भव्य मंगल प्रवेश होगा। जहां आचार्य सुनील सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ से भव्य मिलन होगा। माताजी भट्टारक जी की नसियां से जवाहर नगर,चूलगिरी,दौसा, सिकन्दरा,श्री महावीरजी, करौली होते हुए मुरैना के ज्ञान तीर्थ की ओर मंगल विहार होगा।

मुनि आदित्यसागर आज भिक्षुक पुनर्वास केंद्र में प्रवचन देंगे

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी, मुनि श्री अप्रमित सागर जी एवं मुनि श्री सहज सागर जी आज 3 नवंबर को दोपहर 3:00 बजे परदेसीपुरा रेडीमेड कांप्लेक्स के पास स्थित भिक्षुक पुनर्वास केंद्र में रह रहे भिक्षुकों को प्रवचन के माध्यम से सम्मानजनक, स्वावलंबी, व्यसन मुक्त और सात्विक,शाकाहारी जीवन जीने की प्रेरणा देंगे। इस अवसर पर अतिथि के रूप में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर ललवानी, विधायक रमेश मेंदोला, आकाश विजयवर्गीय पार्षद टीनू जैन एवं दिगंबर जैन समाज के मंत्री डां जैनेन्द्र जैन एंव कई गणमान्य समाज जन भी उपस्थित रहेंगे।

गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट ने दिव्यांग जनों को बांटी ट्राई साईकिलें

मानव सेवा उत्कृष्ट सेवा कार्य-आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाज सेवा के कार्यो में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे महाप्रज्ञ सेवा प्रकल्प के अन्तर्गत मानव कल्याण एवं दुःख निवारण के प्रति समर्पित गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट जयपुर द्वारा मातुश्री कौशल्या देवी की पुण्य स्मृति में असहाय, निर्धन और जरुरतमंद दिव्यांग जनों को पदमपुरा में गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ के सानिध्य में आयोजित एक समारोह में 21 ट्राई साईकिलें वितरित की गई।

इस मौके पर स्वस्तिभूषण माताजी ने समाजसेवी नरेश मेहता द्वारा गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से किए जा रहे मानव सेवा के कार्यो की प्रशंसा करते हुए वर्तमान परिस्थितियों में जरुरतमंद दिव्यांग जनों को ट्राई साईकिलें वितरण करना सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य बताया है। नरेश मेहता ने कहा कि मानव सेवा करने में मुझे आनन्द की अनुभूति होती है। समिति सदस्य विनोद जैन ' कोटखावदा' ने जानकारी देते हुए बताया कि महाप्रज्ञ सेवा प्रकल्प के अन्तर्गत गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से पदमपुरा में गत 27 वर्षो से पदम ज्योति नैत्र चिकित्सालय संचालित है जिसमें आंखों का निःशुल्क ईलाज व आपरेशन आदि किया जाता है। अब तक लगभग 51000 आपरेशन किये जाकर नैत्र प्रत्यारोपण किये जा चुके हैं। ट्रस्ट की अन्य गतिविधियों में छात्र-छात्राओं को छात्रवृतियाँ, बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा, अनाथ आश्रम का संचालन , रक्तदान शिविर, चिकित्सा शिविर, भूकम्प व तूफान पीड़ितों की मदद सहित कोरोना काल में जरुरतमंदो को आक्सीजन सिलैंडर, आक्सीजन कांसटेटर मशीने उपलब्ध कराने के साथ निःशुल्क कोविड वैक्सीनेशन शिविर लगाये गये । साथ ही ट्रस्ट द्वारा प्रति वर्ष जरुरतमंद 150 परिवारों को राशन एवं खाद्य सामग्री वितरण किया जाता है। समारोह में क्षुल्लिका अर्हतमति माताजी, ब्रह.प्रियंका दीदी, शालू दीदी, ज्ञान चंद झांझरी, हेमन्त सोगानी , रमेश ठोलिया, चेतन जैन निमोडिया, सुबोध चांदवाड, विवेक सेठी,अजय बड़जात्या सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। संचालन विनोद जैन 'कोटखावदा' ने किया।

प्रज्ञाश्रमण मुनि अमित सागर जी महाराज संसघ का हुआ बून्दी नगर में भव्य मंगल प्रवेश

बूंदी. शाबाश इंडिया। हाड़ी रानी कवि सूर्य मल मिश्रण की पावन वसुंधरा छोटी काशी के नाम से सुविख्यात बून्दी नगरी में भोले बाबा के नाम से विख्यात धर्म शिरोमणि आचार्य 108 धर्मसागर जी महाराज के परम प्रभावी शिष्य बालयोगी प्रज्ञाश्रमण मुनि 108 अमित सागर जी महाराज मुनि श्री धैर्यसागर महाराज, मुनि अमोघसागर महाराज व मुनि अंतरंगसागर जी महाराज का बुधवार को प्रातः 9 बजे चोगान जैन नोहरा में गाजेबाजे के साथ बड़ी भक्तिभाव से मंगल प्रवेश हुआ। महाराज श्री ने प्रातः नमाना रोड़ से मंगल विहार किया। महाराज श्री जैसे ही देवपुरा संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुचे, वहां उन्होंने भगवान के कलशाभिषेक कराये।

भारत के लोग कद्दू के बीज (Pumpkin seeds) के महत्व क्यों नहीं समझते?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

कद्दू के बीज सफेद रंग के होते हैं लेकिन छिलका उतारने के बाद यह आपको गहरे हरे रंग के मिलेंगे। यह साइज में थोड़े बड़े और खाने में स्वादिष्ट होते हैं। बाजार में पंसारी की दुकान से आसानी से मिल जाते हैं। कद्दू के बीज की गिरी दो चम्मच रोजाना दूध के साथ सेवन करने से ज्यादा लाभकारी माना गया है। कद्दू के बीजों की गिरी में कुछ ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जिसे जानकर आप हैरान हो जायेंगे। इसकी महत्ता जानते हैं। कद्दू की बीजों में पर्याप्त मात्रा में जिंक पाया जाता है। यह हमारे इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में कारगर होता है और वायरल, सर्दी, खांसी, जुकाम जैसे संक्रमणों से सुरक्षित रखता है। कद्दू के बीज हाई फाइबर से भरपूर होते हैं। कद्दू के बीज खाने से पेट लंबे समय के लिए भरा रहता है। ऐसा करने के आप कम कैलोरी का सेवन करते हैं जिससे वजन कम होने में मदद मिलती है। कद्दू के बीजों में एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जब आप इन बीजों का सेवन करेंगे तो आपको शरीर की सूजन को कम करने में मदद मिलेगी। प्रोस्टेट ग्रंथि बड़ जाने पर कद्दू के बीजों की गिरी का सेवन पुरुषों के लिए बेहतर माना गया है। इसमें मौजूद जिंक की मात्रा प्रोस्टेट ग्रंथि के लिए बहुत जरूरी है। कद्दू के बीज में मैंगनीज, कोपर, ज़िंक और फॉस्फोरस पाए जाते हैं। इन मिनरल्स का सेवन करने से ब्लड प्रेशर सामान्य बना रहता है। मिनरल्स खून में नमक की मात्रा सामान्य बनाए रखते हैं जिससे बल्ड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। कद्दू के बीजों में फाइबर होने से यह पाचन शक्ति को धीरे कर देता है जिससे खून में शुगर के कण कम हो जाते हैं। जिससे अग्न्याशय को सही मात्रा में इंसुलिन बनाने के समय मिलता है और साथ ही शरीर का ब्लड ग्लूकोज लेवल भी सामान्य बना रहता है। मैग्निशियम की सही मात्रा में सेवन करने से GABA लेवल स्वस्थ बना रहता है जिससे अच्छी नींद लाने में मदद मिलती है। कद्दू के बीज में आयरन और मैगनीशियम पाए जाते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट हल्के गुनगुने पानी के साथ कद्दू के बीजों की गिरी का एक चम्मच कुछ महीने सेवन करने से खून की कमी दूर हो जाती है। कद्दू के बीज में जिंक और कॉपर होते हैं। ये शारीरिक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे थकान और कमजोरी हमेशा के लिए दूर हो जाती है। कद्दू के बीज में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए दवाओं को लेने के बजाय, कद्दू के बीजों को स्नैक्स में शामिल करना चाहिए। कद्दू के बीजों का रोजाना सेवन करने से स्तन कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है। कद्दू के बीज में जिंक पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसका सेवन करने से पुरुषों की शारीरिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। महिलाओं में बांझपन जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए अगर कद्दू के बीजों को नियमित आहार में शामिल किया जाए तो इससे प्रजनन क्षमता बेहतर होती है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी है तो अपनी डाइट में कद्दू के बीजों को जरूर शामिल कीजिए। यह सेहतमंद बालों के लिए भी बेहद उपयोगी होते हैं। ये नवीन कोशिकाओं के निर्माण और नुकसान पहुंचने से बचाकर स्वस्थ बालों को बढ़ाने का काम करते हैं। अगर आप कद्दू के बीज का सेवन करते हैं तो इससे न सिर्फ तनाव कम होता है, बल्कि इससे नींद भी अच्छी आती है। आंखों के लिए भी कद्दू के बीज बहुत लाभकारी है। इसमें विटामिन-ए भरपूर मात्रा में होता है, जो अंधेरे में भी दृष्टि को बढ़ावा देने का काम करता है। कद्दू के बीजों की गिरी 2 चम्मच रोजाना खाने से दिल को स्वस्थ और सक्रिय रखा जा जाता है और शरीर में मैग्नीशियम की कमी भी पूरी हो जाती है। कद्दू के बीजों को आप किसी भी तरह से खा सकते हैं। इन्हे शेक या फिर दलिया वगैरह में मिक्स करके भी खाया जा सकता हैं। अगर आप स्नैक्स के तौर पर खाना चाहते हैं तो आप इसे रोस्ट करें। तवे पर भी धीमी आंच करके इन्हें पका सकते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बैठक सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। आगामी 12 नवंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाए जाने को लेकर बुधवार को न्यायालय परिसर में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मदनलाल सहारण ने की। बैठक में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सीमा सान्दू ,उपखण्ड अधिकारी अंशुल आमेरिया, श्रीनगर पंचायत समिति विकास अधिकारी ताराचंद, पैरा लीगल एडवोकेट हेमन्त प्रजापति, बार एसोसिएशन अध्यक्ष फारूख खत्री सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत से पूर्व आगामी 6 नवम्बर को श्रीनगर में मेगा विधिक चेतना शिविर लगाए जाने को लेकर चर्चा की गई व राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए प्रचार-प्रसार पर जोर दिया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com